यूपी निवेश के सुरक्षित गंतव्य के रूप में उभरा: खन्ना

संबोधन

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी व आईडीसी मनोज कुमार सिंह ने उद्यमियों से कहा है कि यूपी निवेश के सबसे सुरक्षित गंतव्य के रूप मे उभरा है और निवेशक यहां बेहिचक निवेश करें। दूसरी ओर कई निवेशकों ने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों की वजह से निवेश का अनुकूल वातावरण बना है और आकर्षिक नीतियां भी आ गईं हैं लेकिन निचले स्तर पर अभी भी एनओसी मिलने में काफी मुश्किलें आ रही हैं। उद्योग लगाने में समय लग रहा है। लालफीताशाही की वजह से परियोजना में देरी होती है।

सोमवार को औद्योगिक विकास विभाग ने उद्यमियों से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया तो उसमें यह निष्कर्ष निकले। सुरेश खन्ना ने कहा कि जीडीपी में कृषि का हिस्सा 25-26% है और अब जीडीपी में औद्योगिक क्षेत्र का हिस्सा बढ़ाने का अवसर है।

औद्योगिक विकास विभाग के कार्यक्रम में मौजूद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी व अन्य।

पहले जाति के नाम पर थी वोट की सियासत: नंदी

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले निवेशकों के हित में नीतियां बन ही नहीं पाती थीं कि क्योंकि तब सारा फोकस जाति के नाम पर वोट व तिजारी भरने के लिए नोट बटोरने पर ही रहता था। पिछली सरकारों को निवेश से कोई मतलब नहीं रहता था। यूपी में सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे वाला प्रदेश है। गंगा एक्सप्रेसवे बनने के बाद यूपी की एक्सप्रेसवे में हिस्सेदारी 37 .7 से बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगी।

निवेशकों ने दिए सुझाव, दिक्कतें भी साझा कीं

लखनऊ। केंट आरओ के सीईओ महेश गुप्ता ने कहा कि कई तरह की बेहतरी के बावजूद अभी कई स्वीकृतियों में समय लगता है। इसे कम कैसे किया जाए इस पर ध्यान देने की जरूरत है। सेंचुरी प्लाईवुड के सज्जन भंजन ने कहा कि इस उद्योग में यूपी के लिए बहुत संभावनाएं हैं। सरकार को चाहिए कि कच्चे माल के लिए जहां प्लांटेशन होता है, वहीं छोटी-छोटी आरा मशीनें लगनी चाहिए। एक अन्य निवेशक ने फाइलों के जल्द निपटारे की बात कही। यह बात भी आई कि निचले स्तर के अधिकारी इसलिए जल्द निर्णय नहीं लेते क्योंकि उन्हें डर होता है कि उन पर सेवानिवृत्त के बाद पेंशन रुक सकती है।